to the public in Delhi. NAFED also supplied onions to the Delhi State Civil Supplies Corporation on their request. In the above operation, as on 12.12.98 NAFED supplied a quantity of 10,405 MTs of onions.

(b) Yes, Sir.

(c) the main object of NAFED is to orgasnise, promote and develop the agricultural marketing in the country, for which it is primarily engaged in whole sale marketing activities.

Effect of soil Erosion in Agricultural Produce

2031. SHRI A. VIJAYA RAGHAVAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether fertility of soil eroded due to over extracting of ground water and excessive use of fertilizers in the soil by the farmers;

(b) the rate/extent of soil erosion that is taking place in the country at the end of each five year plan period; and

(c) the effect of soil erosion in agricultural produces; and the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) Over extraction of ground water results in lowering of water table which in turn may also cause disturbance in nutrient balance in the soil profile. The average nutrient consumption (NPK) was 87 Kg./hectare during 1997-98. As such there is no excessive use of fertilizers in the country. However, in areas where high amounts of fertilizers are being used, the deficiencies of secondary and micronutrients particularly sulphur, zinc and iron have started appearing which indicate imbalance in the total nutrient supply to the crops. Government is therefore, taking steps to promote the use of secondary and micronutrients also.

(b) and (c) The estimated soil loss through erosion in the country at the end of each Five Year period of 26.5 billion tonnes of Top soil. Soil erosion affects the productivity of the soil which in turn results in loss of production.

The corrective measures are being taken by adopting soil conservation practices like promoting agro-forestry, land shaping/ levelling, erection of diversion bunds, graded terracing and trenches. Other package of practices have been developed to check runoff losses, such as integrated bioengineering measures, mulching and contour bunding which have proved successful in checking soil erosion.

उत्तर प्रदेश में बाढ़ प्रकोप

2032. श्री मनोहर कान्त ध्यानी: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के मैदानी जिलों को आजादी के पश्चात् इस वर्ष बाढ़ का भीषणतम प्रकोप झेलना पड़ा है; यदि हां, तो एक सप्ताह से अधिक पूर्णतया जलमग्न रहे गांवों की संख्या कितनी है;

(ख) सरकार ने इन लोगों को राहत प्रदान करने हेतु क्या उपाय किए हैं और अब तक कितनी धनराशि प्रदान की गई है;

(ग) क्या रबी फसल की बुवाई के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु बीज उपलब्ध करावाए जाने की कोई योजना है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड़) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) से (ड़) प्राप्त सूचनानुसार बहुत भारी एवं निरन्तर वर्षा के कारण राज्य के कुछ जिलों के बाढ़ आ गई तथा पानी भर गया। अत्यधिक वर्षा से राज्य के पूर्वी हिस्से में प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बहने लगीं तथा कुछ नदियों में जल स्तर लगभग दो महीने तक खतरे के निशान से ऊपर रहा। इसके परिणामस्वरूप, पूर्वी भाग को प्रचण्ड बाढ़ का सामना करना पड़ा जिससे सार्वजनिक तथा निजी सम्पत्तियों को अभूतपूर्व नुकसान हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार से उपलब्ध सूचना के अनुसार, भारी वर्षा और बाढ़ के कारण 6200 से भी अधिक गांव एक सप्ताह से अधिक समय तक असहाय स्थिति में पड़े रहे। पीड़ित व्यक्तियों को राहत एवं क्षतिग्रस्त सार्वजनिक सम्पत्ति की मरम्मत और पुनर्वास के लिए 157 करोड़ रुपये की राशि आबंटित करने की सूचना मिली है। रबी की फसलों की बुआई हेतु किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए, राज्य सरकार द्वारा उन छोटे और सीमान्त किसानों को एक क्विंटल गेहूं का बीज प्रति हैक्टेयर के हिसाब से दिया जा रहा है जिनकी 50 प्रतिशत से भी अधिक फसल हाल ही की बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है।